

स्वच्छ भारत मशिन को तीव्रता देने हेतु करें रथ यात्रा का प्रयोग

चर्चा में क्यों?

देश में व्यक्तिगत घरेलू शौचालय (Individual Household Latrines-IHHL) कवरेज के मामले में ओडिशा को सबसे नीचे रखा गया है। इस बात पर चिंता जताते हुए केंद्र ने राज्य सरकार से आगामी जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान दो पिट वाले वाटर सील शौचालय (Two pit water seal toilets) के उपयोग पर जागरूकता फैलाने का आग्रह किया है।

महत्त्वपूर्ण बंदि

- पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय ने ओडिशा सरकार को लिखे पत्र में राज्य में स्वच्छ भारत मशिन (SBM) की धीमी प्रगति पर चिंता जताते हुए कहा है कि स्वच्छ भारत मशिन को आवश्यक गति प्रदान करने के लिये रथ यात्रा एक महत्त्वपूर्ण अवसर हो सकता है।
- मंत्रालय की ओर से लिखे गए पत्र में यात्रा स्थलों पर उच्च स्वच्छता मानकों को लागू करने के लिये कहा गया है और उल्लेख किया गया है कि पुरी में श्री जगन्नाथ मंदिर को पहले ही केंद्र के स्वच्छ आइकॉनिक स्थल के रूप में शामिल किया जा चुका है।
- पत्र में कहा गया है कि यात्रा के दौरान दो पिट वाले शौचालय को लेकर जागरूकता फैलाने से ओडिशा राज्य के सबसे बड़े इस महोत्सव में भाग लेने वाले लाखों ग्रामीण नागरिकों के व्यवहार में खुले में शौच के प्रति बदलाव आएगा।
- मंत्रालय ने सुझाव दिया है कि राज्य सरकार 2018 की रथ यात्रा को 'स्वच्छ रथ यात्रा' घोषित करे।

ओडिशा सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला राज्य

- देश में स्वच्छ भारत मशिन (SBM) के नष्पादन में ओडिशा की स्थिति सबसे खराब रही है।
- 2 अक्टूबर, 2014 को शुरू हुए स्वच्छ भारत मशिन के समय राज्य में केवल 38.08 लाख घरेलू शौचालयों का निर्माण किया गया था और ओडिशा में IHHL कवरेज का अनुमान 57.82% रहा है।
- 58.9% के साथ ओडिशा की तुलना में बिहार में थोड़ा बेहतर कवरेज है। 18 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने पहले ही 100% IHHL कवरेज हासिल कर लिया है।
- उत्तर प्रदेश जो कएक बड़ा राज्य है, ने IHHL के साथ 79.14% कवरेज हासिल किया है।
- जहाँ तक खुले में शौच मुक्त (Open Defecation Free-ODF) गाँवों का संबंध है, ओडिशा पाँच सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले राज्यों में से एक है। ओडिशा में केवल 23.42% गाँव खुले में शौच से मुक्त हैं।
- जबकि पिड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ पहले ही 100% का लक्ष्य हासिल कर चुका है, ओडिशा के 30 जिलों में से केवल दो को ODF घोषित किया गया है।